पाठ -10 काकी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए
(क) कौन- सी बात श्यामू से छिपी न रह सकी?
उ० श्यामू से उसकी मां की मृत्यु की बात छुपी न रह सकी।
(ख) श्यामू ने पतंग के लिए पैसे कहां से लिए?
उ०श्यामू नेपतंग के लिए पैसे विश्वेश्वर की जेब से लिए।
(ग) पतंग कौन लेकर आया?
उ० पतंग भोला लेकर आया।
(घ) श्यामू ने पिता से क्या मांगा?
उ० श्यामू ने पिता से एक पतंग मांगी।
(ङ) श्यामू पतंग कहां भेजना चाहता था?
उ० श्यामू पतंग अपनी काकी के पास भेजना चाहता था।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए
(क) श्यामू के घर में कोहराम क्यों मचा हुआ था?
उ०श्यामू के घर में कोहराम इसलिए मचा हुआ था क्योंकि श्यामू की मां का निधन हो गया था।
(ख) उड़ती हुई पतंग देखकर उसके मन में क्या विचार आया?
उ०उड़ती पतंग देखकर श्यामू के मन में विचार आया कि जब उसकी मां ऊपर आकाश में गई है तो उनके पास पतंग के माध्यम से संदेश भेजा जा सकता है।

(ग) पतंग की पतली डोर को लेकर दोनों के बीच क्या बातचीत हुई?
उ०पतंग की पतली डोर को लेकर दोनों के बीच यह बातचीत हुई कि यह डोरी पतली है इसे पकड़कर काकी उतर नहीं सकती क्योंकि इसके टूट जाने का डर है पतंग में मोटी रस्सी हो तो ठीक हो जाएगा।
(घ) कौन- सी चिंता के कारण श्यामू को देर तक नींद नहीं आई?
उ०भोला ने श्यामू से कहा कि काकी को उतारने के लिए पतंग में मोटी रस्सी होनी चाहिए। लेकिन मोटी रस्सी लाने के लिए कहां से पैसे मिलेंगे? घर का कोई व्यक्ति तो पैसे देगा नहीं। यह सोचकर श्यामू को चिंता के मारे नींद नहीं आई।
(ङ) विश्वेश्वर क्या देखकर हक्के बक्के रह गए?
उ० विश्वेश कर पूजा पतंग मंगाने का कारण पता चला तो वह हक्के बक्के रह गए।

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए
"यद्यपि बुद्धिमान----------छिपी न रह सकी।"
(क) नींद खुलते ही श्यामू ने क्या देखा?
उ०नींद खुलते ही श्यामू ने देखा कि घर में शोक का माहौल है उनकी मां जमीन पर लेटी है सिर से पैर तक कपड़े से ढकी है और आसपास लोग विलाप कर रहे हैं।
(ख) कौन सी बात उससे छिपी ना रह सकी?
उ०श्यामू ने जब अपनी मां को घर से बाहर उठाकर ले जाते देखा, तो उसको पता चल गया कि उसकी मां कहीं और नहीं बल्कि भगवान के पास चली गई है।
(ग) बार-बार रोने पर भी उसका शौक क्यों नहीं शांत हुआ?
उ०कई दिन तक लगातार रोने के बाद उसका रोना शांत हो गया, पर मन का दुख इसलिए शांत नहीं हुआ क्योंकि जिस मां के आसपास उसका सारा दिन बीतता था वह कहीं दिखाई नहीं दे रही थी।